BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication .....HARI BHOOMI.....

Date 17/02/2025 Page .....11..... Column .....02.....

Subject .....बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वयं दिवस का आयोजन.....

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वयं दिवस का आयोजन

अब शिक्षा कक्षा तक सीमित नहीं ऑनलाइन माध्यम भी हैं सुलभ

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वयं दिवस कार्यक्रम में छात्रों को बताई डिजिटल एजुकेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बाबा अमरनाथ यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति एच एल वर्मा , रजिस्टर विनोद कुमार, स्टाफ व छात्र। फोटो: हरिभूमि

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वयं दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को स्वयं प्लेटफॉर्म के प्रति जागरूक करना और उन्हें डिजिटल शिक्षा के नए अवसरों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान, स्वयं प्लेटफॉर्म के बारे में विस्तार से बताया गया, जो कि भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है और मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्र किसी भी स्थान से और किसी भी समय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचएल वर्मा ने कहा कि आज का युग डिजिटल शिक्षा का युग है। अब शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह ऑनलाइन माध्यमों के द्वारा हर व्यक्ति के लिए सुलभ हो गई है। स्वयं प्लेटफॉर्म डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने का एक क्रांतिकारी माध्यम है। इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करके छात्र अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं और अपनी शिक्षा को अगले स्तर तक ले जा सकते हैं। प्रो. नवीन कुमार डीन एकेडमिक अफेयर्स ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में डिजिटल शिक्षा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। हमें चाहिए कि हम डिजिटल प्लेटफार्मों का अधिकतम उपयोग करें और अपने ज्ञान को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार विकसित करें। डिजिटल शिक्षा का सही उपयोग करके छात्र अपने करियर में नए अवसर प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. एससी गाखर, निदेशक अनुसंधान ने स्वयं प्लेटफॉर्म की संभावनाओं और इसकी उपयोगिता पर कहा कि स्वयं केवल एक प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि एक सुनहरा अवसर है, जिससे छात्र अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। यह मंच छात्रों को विविध विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का मौका देता है। इसके माध्यम से छात्र अपनी स्किल्स को अपग्रेड कर सकते हैं और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में खुद को आगे रख सकते हैं।

डिजिटल प्लेटफार्मों का विस्तार से परिचय दिया

प्रो. संगीता मलिक ने डिजिटल प्लेटफार्मों का विस्तार से परिचय देते हुए कहा कि स्वयं प्लेटफॉर्म का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना भी है। इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रम न केवल छात्रों के अकादमिक विकास में सहायक हैं, बल्कि ये उनके व्यावसायिक कौशल को भी निखारते हैं। प्रो. रवि कुमार राणा ने छात्रों से ऑनलाइन शिक्षा के नए अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. पल्लवी भारद्वाज सहित अन्य मौजूद रहे।

डिजिटल लर्निंग को अपनाएं छात्र

उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के समय में छात्रों को डिजिटल लर्निंग को अपनाना चाहिए और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि स्वयं जैसे मुफ्त प्लेटफार्म और पेड प्लेटफार्मों के बीच क्या अंतर है।

डिजिटल शिक्षा का महत्व आज के समय में बढ़ा

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि डिजिटल शिक्षा का महत्व आज के समय में और भी बढ़ गया है। ऑनलाइन शिक्षा केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता बन चुकी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से छात्र अपनी शिक्षा को बेहतर बना सकते हैं, अपने कौशल को विकसित कर सकते हैं और आधुनिक तकनीकों को सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा केवल पारंपरिक शिक्षण प्रणाली का पूरक नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संसाधन है, जो छात्रों को व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करने से छात्र न केवल अपने अकादमिक ज्ञान को बढ़ा सकते हैं, बल्कि वे उद्योग जगत की आवश्यकताओं से भी परिचित हो सकते हैं।